

डॉ. गैरी मीडर्स, 1 कुरिन्थियों, व्याख्यान 8, 1 कुरिन्थियों के परिचय और 1 कुरिन्थियों की संरचना की निरंतरता

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी मीडर्स 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर अपनी शिक्षा देते हुए हैं। यह व्याख्यान 8 है, 1 कुरिन्थियों के परिचय और 1 कुरिन्थियों की संरचना की निरंतरता।

खैर, बाइबिल ई-लर्निंग के लिए 1 कुरिन्थियों में एक और व्याख्यान में आपका फिर से स्वागत है।

और जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, मैं गैरी मीडर्स हूँ, 1 कुरिन्थियों पर इस श्रृंखला के लिए आपका प्रशिक्षक। हम अपने परिचय में कई चीजों के बारे में बात कर रहे हैं, और अब हम उस भाग पर आ रहे हैं, जो परिचय के अंत में है, लेकिन 1 कुरिन्थियों में वास्तविक पाठ को देखने की शुरुआत में है। आपके पास अपना नोटपैड नंबर 5 होना चाहिए और उस नोटपैड में पृष्ठ 44 पर जाएँ। आप देखेंगे कि हमने अभी-अभी कुरिन्थियों के पत्रों की आवश्यक विशेषताओं पर बात समाप्त की है, और हम 1 कुरिन्थियों में कुछ संरचनात्मक मुद्दों के बारे में बात करना शुरू करना चाहते हैं।

आज, हम इस पर विचार करेंगे, और हम वास्तव में 1 कुरिन्थियों अध्याय 1, श्लोक 1 से 9 में नोटपैड नंबर 6 को थोड़ा सा देख सकते हैं। हम देखेंगे कि हमारा समय कैसे बीतता है, और परिणामस्वरूप, आप टेप या कंप्यूटर को रोकना चाह सकते हैं और नोटपैड नंबर 6 को पुनः प्राप्त कर सकते हैं ताकि आपके पास दोनों पैक, पैक 5 का अंत और पैक नंबर 6, आपके लिए उपलब्ध हो सकें। यह सब सामग्री की तालिका में है, जिसे आपने शायद पहले ही देख लिया है, और आपको यह पहले से ही पता होगा। तो, आइए अब 1 कुरिन्थियों की संरचना के बारे में बात करते हैं।

अब, हम कई मायनों में मज़ेदार हिस्से में पहुँचते हैं, यह देखते हुए कि पॉल ने इस पुस्तक को कैसे लिखा और इसे हम तक कैसे पहुँचाया। आप पृष्ठ 44 के निचले भाग में देखेंगे कि हमने टिप्पणी की है कि 1 कुरिन्थियों ने अपनी व्यापक संरचना को इंगित करने के लिए दो साहित्यिक पैटर्न का उपयोग किया है और आइए अगले पृष्ठ पर आगे बढ़ते हुए इसे देखें। पहली संरचना यह है कि वह तीन कथन देता है जिन्हें 1 कुरिन्थियों की पुस्तक लिखते समय देखना बहुत आसान है, और इन तीन कथनों को हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहिए।

यदि आप 1 कुरिन्थियों 1:11 में अपनी बाइबल को देखें, तो हमारे पास टिप्पणी है, मेरे भाइयों और बहनों, फिर से 2011 एनआईवी, जो भाइयों को लेता है और इसे उस रूप में बदल देता है जो इसका इरादा है, यानी भाइयों और बहनों। यह महिलाओं को बाहर नहीं कर रहा था, इसलिए इसे आप अधिक लिंग विशिष्ट कह सकते हैं, जिसमें बाड़ के दोनों तरफ शामिल हैं। भाइयों और बहनों, जिनमें से कुछ क्लो के घर से हैं, ने मुझे सूचित किया है कि आपके बीच झगड़े हैं।

तो वहाँ पौलुस ने कुरिन्थ के एक गृह चर्च से कुरिन्थ में समस्याओं के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त की है, वह 1:11 है। तो 1:11 वास्तव में हमें 1 कुरिन्थियों की पुस्तक में पहली प्रमुख इकाई से परिचित कराता है, और वह अध्याय 1 से 4 तक होगा। दूसरा कथन जिसे हमें लेने की आवश्यकता है वह अध्याय 5 और पद 1 में है। यह वास्तव में बताया गया है कि आपके बीच यौन अनैतिकता है, और एक तरह की जिसे बुतपरस्त भी बर्दाश्त नहीं करते हैं। तो, यहाँ अधिक जानकारी है, यह वास्तव में बताया गया है।

अब, वह रिपोर्ट कुछ ऐसी जानकारी होगी जो पॉल को किसी स्रोत से मिली होगी। हम निश्चित रूप से निश्चित नहीं हैं, लेकिन हमारे पास अध्याय 4 और 5 के बीच पर्याप्त संक्रमण है जिससे यह पता चलता है कि अब एक इकाई आने वाली है। अध्याय 5 और 6 इन मुद्दों को संबोधित करते हैं जिनकी रिपोर्ट की गई है, और वे अत्यधिक यौन अभिविन्यास के प्रतीत होते हैं।

वास्तव में, वह यह भी कहता है। तुम्हारे बीच यौन अनैतिकता है। पौलुस अध्याय 5 और 6 में कई चीजों के बारे में बात करता है, न केवल यौन समस्याओं के बारे में बल्कि अदालती समस्याओं के बारे में भी।

यह सब दिन के अंत में स्थिति के बारे में है, लेकिन यह अगली इकाई है। फिर, अगली प्रमुख आयत अध्याय 7 और आयत 1 है। अब उन मामलों के लिए जिनके बारे में आपने लिखा है। तो, यहाँ जानकारी का तीसरा स्रोत है जिस पर पॉल जवाब दे रहा है: वे मामले जिनके बारे में आपने लिखा है।

और 7:1 हमें पत्र के माध्यम से ले जाता है, जैसा कि हम इस पत्र के समापन तक आने तक थोड़ी देर में थोड़ा और विस्तार से देखेंगे। तो 1:11, 5:1, और 7:1 इस पत्र की सामग्री के बड़े संगठनात्मक संकेतक हैं। अब, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदर्भ है।

इसका मतलब है कि जब हम अध्याय 1 से 4 को देखते हैं, तो हमें उन्हें 1:11 से निकलने वाली इकाई के रूप में देखना चाहिए। जब हम अध्याय 5 और 6 को देखते हैं, तो हमें उन्हें 5:1 से निकलने वाली इकाई के रूप में देखना चाहिए। और जब हम 7:1 और उसके बाद के अध्यायों को देखते हैं, तो हमें उन्हें पॉल द्वारा लिखी गई बातों का जवाब देने वाली इकाई के रूप में देखना चाहिए। तो यह हमें पत्र के मुख्य भाग में तीन प्रमुख इकाइयाँ देता है, और हम इस तथ्य के बारे में बात करेंगे कि हमारे पास एक अभिवादन और एक समापन भी है जो इसमें शामिल है। तो, हमारे पास वह पहला कथन है।

ये प्रमुख संकेतक हैं। अब, दूसरा आइटम पाठ के लिए आंतरिक है, और यह अपेक्षाकृत सुसंगत है, लेकिन यह पॉल द्वारा एक वाक्यांश का उपयोग है। ग्रीक में, यह पेरी-डेथ है।

यह वास्तव में अब के बारे में कहने का एक मुहावरेदार तरीका है। मृत्यु शब्द, जो दूसरे स्थान पर आता है, और यह सामान्य स्थिति है, एक संयोजक है। इसका मतलब और हो सकता है, इसका मतलब लेकिन हो सकता है, या इसका मतलब अब हो सकता है।

और पेरी एक पूर्वसर्ग है, और जब आप इन दोनों चीजों को एक साथ रखते हैं, तो आपके पास वास्तव में पूर्वसर्ग वाक्यांश भी नहीं होता है, लेकिन आपके पास एक मुहावरेदार निर्माण होता है जहाँ पेरी-मृत्यु का अर्थ है अब के बारे में। पुराने औपचारिक अनुवाद इसे इस तरह से अनुवादित करेंगे। उदाहरण के लिए, यदि आप ASV, 1901 संस्करण पढ़ रहे थे, जो एक बहुत ही औपचारिक अनुवाद है, तो यह हर बार जब यह वाक्यांश आता है, तो अब, के बारे में कहेगा।

कुछ अन्य संस्करणों के साथ ऐसा नहीं होगा, और आपको बस इसके लिए सावधान रहना होगा। पृष्ठ 45 पर मैंने आपको जो दो कॉलम दिए हैं, उनमें मैंने ASV का उपयोग किया है ताकि आप अब संबंधित अनुवाद देख सकें। यदि आप ग्रीक समझते हैं, और यदि आप नहीं समझते हैं, तो चिंता न करें, यह कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन मैंने इसे उन लोगों के लिए यहाँ रखा है जो रुचि रखते हैं।

आप इसे बाएं हाथ के कॉलम में देख सकते हैं। आइए इन मर्दों को नीचे देखें। 7:1 में, अब उन बातों के बारे में जो आपने लिखी हैं,

7:25 में, अब कुँवारियों के विषय में, मेरे पास प्रभु की कोई आज्ञा नहीं है। हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे, उसका क्या मतलब था। 8:1 में, अब मूर्तियों के लिए बलि की गई चीजों के बारे में।

फिर 12:1 में, अब आत्मिक वरदानों के बारे में। 16:1 में, अब संतों के संग्रह के बारे में। फिर 16:12 में, दिलचस्प बात यह है कि हमारे पास ASV अनुवाद है, लेकिन भाई अपुल्लोस के विषय में, मैंने उससे बहुत विनती की कि वह तुम्हारे पास आए।

लेकिन अगर आप 16:12 से ग्रीक को देखें, तो आपको इसे समझने के लिए ग्रीक भाषा जानने की ज़रूरत नहीं है। आप देखेंगे कि पद संदर्भ के बाद आपके पास वे शब्द हैं, वास्तव में, जो थोड़ा अंग्रेज़ी जैसे दिखते हैं, भले ही यह ग्रीक है, पेरी, और फिर आपको जो दिखता है वह शायद डे जैसा है, वह पेरी डेट है। तो, यह वही संरचना है और इसका अनुवाद किया जा सकता था, अब चिंता की बात है।

तो, इस संबंध में हमारे पास कुछ प्रमुख संकेतक हैं। हमारे पास अन्य स्थान हैं जहाँ पेरी डेट का उपयोग किया गया है। मैंने इसे पृष्ठ 46 पर डाला है, जैसे 1 थिस्सलुनीकियों 4:9 और 5:1 में, जहाँ पॉल उसी तरह के निर्माण, उसी तरह की संरचना, पेरी डेट का उपयोग करके एक संदर्भ प्रस्तुत करता है।

ठीक है, तो दिलचस्प बात यह है कि हमें यह पता लगाने में बहुत समय नहीं लगाना पड़ता कि 1 कुरिन्थियों की पुस्तक किस तरह से संरचित है। हमारे पास ये तीन संकेतक हैं, और हमारे पास पेरी डे है, और यह विषय-वस्तु में तार्किक रूप से निर्धारित है। अन्य पुस्तकों को बहुत अलग तरीके से निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में यह 1 कुरिन्थियों अद्वितीय है, और यह अद्वितीय है क्योंकि हमें कई मुद्दों पर पॉल और कुरिन्थियों के विश्वासियों के बीच यह आदान-प्रदान मिला है, और वे बस इन चीजों को क्लिक कर देते हैं। तो यही वह संरचना है जिसका हम पालन करेंगे, और यदि आप अपने

टिप्पणी स्रोतों को ध्यान से देखें, तो आप पाएंगे कि सभी टिप्पणियाँ इन संरचनात्मक रेखाओं के अनुसार स्थापित की जा रही हैं। वे समय-समय पर उप-संरचना में भिन्न हो सकते हैं, लेकिन प्रमुख संरचना में, उन्हें उसी तरह से रखा जाएगा।

अब, मैं आपको यहाँ कुछ ऐसा दिखाऊँगा जो पश्चिमी दृष्टिकोण से थोड़ा ज़्यादा मिलता-जुलता है। अगर आपने गौर किया हो, तो पेज 46 पर मैंने आपको दो रूपरेखाएँ दी हैं, एक 1 कुरिन्थियों के लिए, और दूसरी 2 कुरिन्थियों के लिए, जो एक पुरानी किताब से है, लेकिन यह सिर्फ़ आपकी सुविधा के लिए है। ठीक है, 1 कुरिन्थियों, परिचयात्मक टिप्पणियाँ, 1 1 से 9, यह पत्र का अभिवादन है।

फिर हमारे पास क्लो के घराने से मौखिक संचार के लिए पॉल की प्रतिक्रिया है, 1 10 से अध्याय 4 तक। फिर हमारे पास अध्याय 5 और 6 में कुछ मौखिक रिपोर्टें या अफवाहों के लिए पॉल की प्रतिक्रिया है जो व्यभिचार, यौन मुद्दों और मुकदमेबाजी से संबंधित हैं। फिर हमारे पास रोमन अंक 4 में 7:1 लीड है, कोरिंथ से लिखित संचार के लिए पॉल की प्रतिक्रिया, 7 से 16 4, और उसमें, हमारे पास ये सभी आइटम हैं जिन्हें वह क्लिक करता है। अध्याय 7 में, विवाह और कामुकता का मुद्दा, और फिर 8 से 10 में, मूर्तियों को चढ़ाए जाने वाले मांस के प्रश्न।

अध्याय 11 में चर्च की व्यवस्था है। अध्याय 12 से 14 में आध्यात्मिक उपहार हैं। अध्याय 15 में पुनरुत्थान है।

अध्याय 16, यरूशलेम चर्च के लिए संग्रह, और फिर पत्र का समापन 16 5 से 24 है। इसलिए, यह इस पत्र की सामग्री के संदर्भ में बहुत ही सफाई से खुद को बंद कर देता है, और हम उस संरचना का बहुत बारीकी से पालन करेंगे। सबसे बड़ी चुनौती, शायद कई मायनों में, अध्याय 1 से 4 होगी क्योंकि अगर 1 से 4 एक इकाई है, तो हमें इसके बारे में एक इकाई के रूप में सोचने की ज़रूरत है, और कभी-कभी टिप्पणियाँ बहुत अधिक डेटा-केंद्रित हो सकती हैं और 1 से 4 के बारे में संश्लेषण को याद कर सकती हैं।

और हम इस बारे में बात करेंगे जब हम उन विशेष पाठों में जाएंगे। आप अन्य रूपरेखाएँ देख सकते हैं। मैंने आपको बस यही एक रूपरेखा दी है।

यह कोई बहुत ही अकादमिक रूपरेखा नहीं है, लेकिन यह 2 कुरिन्थियों के लिए एक रूपरेखा है। अब, चलिए आगे बढ़ते हैं, और उस विशेष मैक्रो संरचना से, आप अपना शोध कर सकते हैं और रूपरेखा में चीजों को क्रम में रख सकते हैं, जैसा कि मैं करूँगा। अब, मैं आपको कुछ ग्रंथसूची से भी परिचित कराना चाहता हूँ।

यह महत्वपूर्ण है कि आप पढ़ें। याद रखें, सीखने के तीन आर हैं - पढ़ना, पढ़ना, पढ़ना, शोध करना और शोध करना। इसका कोई विकल्प नहीं है।

इनमें से कोई भी बात किसी के दिमाग से नहीं आती। हम सभी ने अलग-अलग तरीकों से अपना हक अदा किया है। जब मैं ये व्याख्यान देने बैठता हूँ, जैसा कि मैंने पिछले कुछ दिनों में किया,

नोट्स होने के बावजूद, बहुत सी चीजों की सामान्य समझ होने के बावजूद, मैं फिर भी बैठता हूँ, और हम कुछ टिप्पणियाँ पढ़ते हैं।

मेरे लिए सबसे बड़ा तनाव यह है कि मैं आपको उन चीजों के बारे में बहुत, बहुत, बहुत कम जानकारी दे सकता हूँ जिन पर हम विचार कर रहे हैं। यह बहुत ज़्यादा बोझिल है। और टिप्पणियाँ इतनी संश्लिष्ट पठनीय नहीं होतीं।

वास्तव में, वे नहीं हैं, लेकिन टिप्पणियाँ आपको जानकारी दे रही हैं। आप उन टिप्पणियों पर जाएँ जो विशिष्ट बातों के बारे में उत्तर देती हैं। कुछ टिप्पणियाँ आपको एक अच्छा संश्लेषण देने का थोड़ा बेहतर काम करेंगी।

गारलैंड का खंड, जैसा कि मैं आपको थोड़ी देर में दिखाऊंगा, ऐसा ही है। इसलिए मैं कोरिथियंस में काम करने के लिए इसे आपके पहले खंड के रूप में सुझाता हूँ। जब आपको डेटा की आवश्यकता होती है तो अन्य खंड अधिक उपयोगी होते हैं।

उनमें कुछ संश्लेषण भी होगा। वे अनुभागों का परिचय देते समय सारांश अनुभाग भी देंगे, लेकिन सच यह है कि अगर आप सिर्फ पढ़ रहे हैं तो यह बहुत श्रमसाध्य हो सकता है। नहीं, आप जानकारी की तलाश में हैं, और यह आपके अधिकांश पढ़ने के बारे में सच है।

पढ़ना जानकारी के लिए है। पढ़ना सिर्फ बैठकर शब्दों के ढेर पर काम करना नहीं है। अब, ग्रंथसूची का चयन करें।

मैंने 1 कुरिन्थियों के लिए उपलब्ध ग्रंथसूची को बहुत सीमित कर दिया है ताकि यह हास्यास्पद रूप से भारी न हो। कुछ साइटें हैं। हमें अधिक से अधिक ई-लर्निंग-प्रकार की साइटें मिल रही हैं।

मैंने यहाँ आपके लिए इनमें से कुछ का हवाला दिया है जिन्हें आप देख सकते हैं और अनुसरण कर सकते हैं। ऐसे बहुत से उदाहरण हैं। समस्या यह है कि आपको जानकारी देने वाले लोगों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन कैसे किया जाए।

इस कम्प्यूटरीकृत युग में यही सबसे बड़ी चुनौती है। मैं कुछ नए नियम के सर्वेक्षणों या परिचयों का उल्लेख करना चाहूँगा। ऐसे बहुत से सर्वेक्षण हैं।

सर्वेक्षण आपको पूरे नए नियम का अवलोकन देगा। एक परिचय आपको नए नियम का अवलोकन देगा, लेकिन आम तौर पर, एक परिचय कुछ महत्वपूर्ण समस्याओं को देखेगा जो प्रत्येक पुस्तक के साथ थोड़ा और विस्तार से जुड़ी हैं। रेमंड ब्राउन, एक अन्य रोमन कैथोलिक विद्वान, और मुझे यहाँ एक शब्द कहना चाहिए, मुझे लगता है क्योंकि मुझे नहीं पता कि जब आप इन वीडियो को देखते हैं तो आप कहाँ से आ रहे हैं, लेकिन आपको यह समझना होगा कि हमारे पुस्तकालयों में ऐसे लोगों की बहुत सारी किताबें हैं जो आपकी परंपरा से नहीं हो सकते हैं।

और इसलिए, आपको एक तरफ विवेक का इस्तेमाल करना होगा। आप जिस टिप्पणीकार को पढ़ रहे हैं, वह कौन है? उस टिप्पणीकार का पूर्वाग्रह क्या होगा? लेकिन तथ्य यह है कि अच्छे

विद्वान, सबसे पहले, आपको कच्चे तथ्य और कच्चे डेटा देंगे। उस डेटा पर उनका निर्णय आमतौर पर उनके लेखन अनुभाग के अंत में आएगा।

और इसलिए, हमारे पास लेखकों की एक बहुत विस्तृत श्रृंखला से बहुत अधिक सामग्री है। और कुछ रोमन कैथोलिक लेखक हैं जिन्होंने हमें जानकारी देने का एक अद्भुत काम किया है। आपको यह समझना होगा कि मैं प्रोटेस्टेंट डोमेन में आता हूँ।

मैं बैपटिस्ट चर्चों, कुछ प्रेस्बिटेरियन चर्चों, बाइबिल चर्चों और कई बार अमेरिका में शामिल रहा हूँ, क्योंकि हमारे संस्कृति का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, कठोर व्यक्तिवाद के कारण बैपटिस्ट और अन्य लोग खुद को प्रोटेस्टेंट के रूप में सोचना पसंद नहीं करते हैं। वे ऐतिहासिक रूप से, कुछ सटीकता के साथ ऐसा कह सकते हैं, क्योंकि यूरोप में कैल्विन, लूथर, ज़िंंगली और कई अन्य सुधारकों और प्रदर्शनकारियों के साथ जो हुआ, उसकी प्रकृति के कारण। प्रदर्शनकारी प्रोटेस्टेंट बन गए।

इसलिए, प्रेस्बिटेरियन और लूथरन उस विशेष डोमेन का एक बड़ा हिस्सा हैं। लेकिन विद्वानों की यह विस्तृत श्रृंखला, जिसमें रेमंड ब्राउन और जोसेफ फिट्ज़मेयर जैसे कुछ रोमन कैथोलिक शामिल हैं, दो नाम हैं जिन्हें आप कोरिंथियंस की पुस्तक का अध्ययन करते समय सुनेंगे क्योंकि उनके पास कुछ प्रमुख कार्य हैं, विशेष रूप से फिट्ज़मेयर की टिप्पणी में; रेमंड ब्राउन अन्य तरीकों से। रेमंड ब्राउन ने एक खंड लिखा जिसका नाम है न्यू टेस्टामेंट का परिचय।

यह संभवतः नए नियम का सबसे विस्तृत परिचय है जो आपको अंग्रेजी भाषा में मिल सकता है। और मैं इसे काफी हद तक सामान्य कहूंगा। यह आम सहमति बनाने वाला है।

यह किसी एक एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहा है। किसी भी किताब की तरह, ऐसी चीजें होंगी जिनसे आप सहमत नहीं होंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि यह जानकारी का खजाना है। कुम्पेल अंग्रेजी में एक पुराना जर्मन परिचय है जो बहुत डेटा-उन्मुख है।

जॉर्ज एल्डन लैड ने एक प्रमुख परिचय, एक बहुत ही उपयोगी परिचय और नए नियम का धर्मशास्त्र लिखा है। यह नए नियम का परिचय देते हुए बाइबिल धर्मशास्त्र की शैली में थोड़ा और लिखा गया है। यह नए नियम की प्रत्येक पुस्तक को उसका उचित महत्व देने का भी प्रयास करता है और अन्य स्थानों से सामग्री लाने के बजाय, उस पुस्तक को ही देखने का प्रयास करता है।

लैड के निधन के बाद से यह एक तरह से उपेक्षित पुस्तक है। वह कई वर्षों तक अमेरिकी इंजीलवाद में एक प्रमुख खिलाड़ी थे, लेकिन अब जब वह चले गए हैं, तो हम उनके काम के बारे में बहुत कुछ नहीं सुनते हैं। यह अभी भी बहुत, बहुत उपयोगी काम है। राल्फ मार्टिन का मैंने थोड़ा उपयोग किया।

उनके पास नए नियम या नए नियम की नींव के धर्मशास्त्र पर दो खंडों का काम है। इसलिए, यदि आप परिचयों के उस कोलाज को लेते हैं, तो आप पूरे नए नियम और विशेष रूप से कुरिंथियों पर बहुत सारी सामग्री पा सकते हैं, लेकिन क्योंकि हम एक पुस्तक में काम कर रहे हैं, इसलिए

कुरिन्थियों के लिए आपका परिचय मुख्य रूप से उन टिप्पणियों से आएगा जिन्हें आप पहले कुरिन्थियों के रूप में अध्ययन करने के लिए चुनते हैं। तो चलिए इसके बारे में बात करते हैं।

अब, मैंने आपको यहाँ नामों की एक विस्तृत श्रृंखला दी है, भले ही यह बहुत संक्षिप्त है। एफएफ ब्रूस नाम हमेशा एक अच्छा टिप्पणी नाम और एक अच्छे बाइबिल विद्वान का नाम है। वह भी अब हमसे दूर हो चुका है।

मैंने सिआम्पा और रोस्नर, द फर्स्ट लेटर टू द कोरिंथियंस का उल्लेख किया है। मेरे पास वास्तव में वह पुस्तक यहीं है। यह आपके अध्ययन और खरीद के लिए मेरी पहली सिफारिश नहीं है, लेकिन यह एक बहुत ही उपयोगी पुस्तक है।

इसे पिलर कमेंट्री सीरीज के नाम से जाना जाता है, यानी पिलर, पिलर न्यू टेस्टामेंट सीरीज, जिसे एर्डमैन्स ने प्रकाशित किया था। कुल मिलाकर, पिलर सीरीज में, लियोन मॉरिस जैसे विद्वान की तरह, यह एक अधिक संश्लेषित खंड है। यह पिलर सीरीज की तुलना में अधिक गहन प्रकार की टिप्पणी है।

यह बहुत उपयोगी, बहुत सटीक और परिष्कृत है। यह इतना संश्लेषित नहीं है, लेकिन यह एक बहुत अच्छी टिप्पणी है। अगर आप चाहें तो इसे ऑस्ट्रेलियाई इवेंजेलिकल कह सकते हैं। मुझे नहीं पता कि वे वास्तव में उस शब्द को बढ़ावा देना चाहेंगे या नहीं, लेकिन वे ऑस्ट्रेलिया से आते हैं, और वे अच्छे रूढ़िवादी बाइबिल विद्वान हैं।

एक और टिप्पणी गॉर्डन फी द्वारा है। यह संशोधित संस्करण है, और यह पहले संस्करण जैसा ही दिखता है। यदि आपके पास पहला संस्करण है, तो आपको अपने पहले अध्ययन के लिए संशोधित संस्करण खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन फिर भी, यदि आप इसे नया खरीद रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप गॉर्डन फी द्वारा संशोधित संस्करण लें।

गॉर्डन फी ने इस टिप्पणी में किसी भी अन्य टिप्पणी की तुलना में अधिक पाठ्य आलोचनात्मक मुद्दे प्रस्तुत किए हैं। यह अभी भी बहुत पठनीय है। फी न केवल एक विद्वान हैं, बल्कि वे एक उपदेशक, एक बहुत ही मिलनसार व्यक्ति हैं, और जबकि यह एक विस्तृत टिप्पणी है, आप इसे बहुत पठनीय पाएंगे और 1 कुरिन्थियों का अध्ययन करते समय आपके लिए बहुत उपयोगी सामग्री होगी।

अन्य प्रमुख विद्वान, ये पहले वाले जो मैं आपको दिखा रहा हूँ, जोसेफ फिट्ज़मेयर द्वारा अधिक विस्तृत टिप्पणियाँ हैं। यह एंकर बाइबल टिप्पणियों की श्रृंखला में है, पुराने और नए नियम दोनों पर। एंकर बाइबल श्रृंखला कभी-कभी एक रोलर कोस्टर होती है, जो इस बात पर निर्भर करती है कि टिप्पणी किस दशक में लिखी गई थी और किसने टिप्पणी लिखी थी, लेकिन एंकर बाइबल श्रृंखला में कुछ उत्कृष्ट सामग्री है।

वास्तव में, एंकर बाइबल डिक्शनरी के नाम से जानी जाने वाली एक किताब है, जो पाँच खंडों वाली है। जहाँ तक मेरा मानना है, यह आपकी लाइब्रेरी में होना बहुत ज़रूरी है। डिक्शनरी की सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में खरीद सकते हैं, और चूँकि आप

सैकड़ों पत्रों को संभालने की कोशिश करने के बजाय लेख ढूँढ़ रहे हैं, इसलिए आप इसे इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में बहुत आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं, और शायद यह थोड़ा कम खर्चीला भी होगा।

अगर आपके पास लोगोस बाइबल सॉफ़्टवेयर है या आपके पास एकोर्ड्स बाइबल सॉफ़्टवेयर है, तो आप एंकर बाइबल डिक्शनरी प्राप्त कर सकते हैं। मैं उस सेट की अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ। यह कई विद्वानों द्वारा लिखा गया है, लेकिन शब्दकोश और विश्वकोश अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

उन्हें नज़रअंदाज़ न करें, क्योंकि वे बहुत सी जानकारी को बहुत ही कुशलता से एक छोटे पैकेज में संपीड़ित करते हैं, ताकि आप बहुत कुछ सीख सकें। उदाहरण के लिए, अगर आपको यह अजीब लगे, और यह पहली बार नहीं है कि मैं आपको अजीब लगा, लेकिन सच्चाई यह है कि कई साल पहले मेरे पास एक छात्र आया था जो हर सुबह अपनी बाइबल पढ़ रहा था, लेकिन वे चिंतित थे क्योंकि उन्होंने मुझे बताया कि वे अपनी बाइबल भक्तिपूर्वक पढ़ते थे, वे चले जाते थे, और वे जो पढ़ते थे उसे लगभग भूल जाते थे, और उन्हें ऐसा नहीं लगता था कि इसका कोई प्रभाव पड़ा है, इसका वह प्रभाव नहीं पड़ा है जो वे चाहते थे। वे वास्तव में अधिक प्रभाव डालना चाहते थे, और इससे पहले कि मैं उनसे कुछ कहता, मैंने अपने मन में एक पल के लिए इस पर विचार किया, और मुझे एहसास हुआ कि जब वे चले जाते थे तो वे जो पढ़ते थे उसे भूल जाते थे क्योंकि वे शब्द पढ़ते थे, लेकिन उन्हें सामग्री नहीं मिलती थी, इसलिए उनके पास कुछ भी नहीं था जिसे वे याद रख सकें, सिवाय उन अलग-अलग शब्दों के जिन्हें उन्होंने पाठ में पढ़ा था।

उनके पास शायद कुछ गर्मजोशी भरे भक्ति विचार रहे होंगे, लेकिन उनके पास ऐसा कुछ नहीं था जो उनके लिए दिन भर के लिए महत्वपूर्ण हो। इसलिए, मैंने यह कहा, और यही अजीब बात है, मैंने कहा, क्या आपने कभी अपने भक्ति के लिए बाइबल शब्दकोश पढ़ने के बारे में सोचा है? और उन्होंने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई पागल आदमी हूँ जिसकी बात उन्हें नहीं सुननी चाहिए, और मैंने इस पर जोर दिया। मैंने कहा, अगले सप्ताह के दौरान वापस जाएँ और उन विषयों को लें जो आपको बाइबल शब्दकोश में मिलते हैं, और जाहिर है कि यह एक शब्द शब्दकोश नहीं है जैसा कि आप सोच रहे होंगे, लेकिन इनमें सभी तरह के लेख हैं, और अपनी रुचि के कई आइटम देखें, और उन्हें सप्ताह के दौरान पढ़ें।

जैसे, उदाहरण के लिए, क्या आप यह जानना नहीं चाहेंगे कि इस्राएल की भूमि, कनान की भूमि, दूध और शहद की भूमि क्यों थी? खैर, आप इस तरह की चीज़ों को देख सकते हैं। आप एंकर बाइबल डिक्शनरी में जूलाँजी देख सकते हैं जहाँ इस पर चर्चा होती है, या आप किसी पुस्तक का परिचय देख सकते हैं। हो सकता है कि आप बाइबल डिक्शनरी या विश्वकोश में 1 कुरिन्थियों का परिचय पढ़ सकें।

और इसलिए वह व्यक्ति चला गया, और एक या दो सप्ताह बाद वे मेरे पास वापस आए, और उन्होंने कहा, मैं समझ गया कि आप क्या कहना चाहते हैं। जब मैंने उन संक्षिप्त लेखों को पढ़ा, तो मैंने बाइबल के बारे में बहुत कुछ सीखा, और पूरे दिन, मैं उस पर विचार कर सकता था क्योंकि मैंने कुछ सीखा था। और यह मेरे लिए समझ में आया।

कई बार जब लोग बाइबल पढ़ते हैं, तो वे जहाँ पढ़ रहे होते हैं, उसके आधार पर वे सोच रहे होते हैं कि इसका क्या मतलब है। खैर, आपको इसे समझना होगा। ज़्यादातर लोग इतने अच्छे पाठक नहीं होते कि वे इसे तुरंत पढ़ सकें। और इसलिए उस व्यक्ति ने एक सबक सीखा।

खैर, वे अपनी बाइबल पढ़ने के लिए वापस चले जाते हैं, जैसा कि हमें करना चाहिए, लेकिन अब, जब वे बाइबल पढ़ रहे हैं, तो वे सोच रहे हैं, इसका क्या मतलब है? और अब मेरे पास इसका उत्तर जानने के लिए कम से कम एक रास्ता है। और जब मैं ऐसा करूँगा, तो बाइबल में वह अंश मेरे लिए बहुत ज़्यादा मायने रखेगा, जितना तब था जब मैं सिर्फ़ शब्दों को देखता था और हेडलाइट में हिरण की तरह बैठा रहता था, यह नहीं जानता था कि मैं क्या पढ़ रहा हूँ। तो, बहुत सारी अच्छी जानकारी है।

और फिट्ज़मेयर जानकारी का एक बढ़िया संग्रहकर्ता है, इसे नीचे रखता है। वास्तव में, वह खुद पर गर्व करता है कि वह बहुत अधिक निर्णय नहीं लेता है, बल्कि आपको वह जानकारी देता है जिससे आप निर्णय ले सकते हैं। फिर, जिस टिप्पणी का मैंने आपसे उल्लेख किया है और आगे भी करता रहूँगा, जिसे मैं 1 कुरिन्थियों पर आपके पहले पढ़ने के लिए अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ, वह डेविड गारलैंड की टिप्पणी है, 1 कुरिन्थियों।

यह बेकर द्वारा प्रकाशित है। यह उनकी बेकर व्याख्यात्मक टिप्पणी श्रृंखला में है। इसलिए, यह कोई हल्की टिप्पणी नहीं है, लेकिन गारलैंड कथा लेखन में विशेष रूप से कुशल हैं।

इसलिए, आपको बेहतरीन टिप्पणी देने के साथ-साथ, उन्होंने इसे थोड़ा और कथात्मक रूप में प्रस्तुत किया है, जिसे समझना आसान है। आपको बड़ी तस्वीर, संश्लिष्ट तस्वीर मिलती है। हर खंड की शुरुआत में, उनके पास उस खंड का एक बेहतरीन सारांश है जिसे आप पढ़ने वाले हैं।

उदाहरण के लिए, मैं सुझाव दूँगा कि जब आप किसी भी खंड पर इन टेपों को सुनने के लिए तैयार हों, तो आप गारलैंड से सारांश पढ़ें ताकि आपको उस खंड का संश्लेषण और अवलोकन मिल सके। और फिर मैं इसके बारे में बात करूँगा। फिर, आपके पास जो प्रश्न हैं, आप वापस जा सकते हैं, और आप गारलैंड या किसी अन्य आइटम से विवरण खोज सकते हैं जिसे आपने 1 कुरिन्थियों को पढ़ने के लिए लेने का फैसला किया हो।

अब, यहाँ कुछ और भी हैं जो प्रयोग करने योग्य और उपयोगी हैं। मैं टैल्बर्ट की ओर जाना चाहता हूँ, उनकी छोटी सी पुस्तक रीडिंग कोरिंथियंस, जिसे मैं यहाँ लाने के लिए नहीं उठा लाया हूँ। लेकिन आप इसे देख सकते हैं, रीडिंग कोरिंथियंस, इसे क्रॉसरोड द्वारा प्रकाशित किया गया है।

एक साहित्यिक और धार्मिक टिप्पणी। टैल्बर्ट एक सामान्य टिप्पणी से अलग है। आप किसी वाक्यांश के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए टैल्बर्ट में नहीं जाते हैं, जैसा कि आप इन अन्य खंडों में करते हैं।

आप श्लोक 1 से 9, अध्याय 1 से 4, और अध्याय 5 से 6 के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए टैल्बर्ट के पास जाते हैं। वह इन इकाइयों को देखता है कि पॉल ने उन्हें कैसे एक साथ रखा। टैल्बर्ट का कहना है कि टैल्बर्ट में थोड़ी कमियाँ हैं।

वह वही है जिसे मैं कभी-कभी चियास्टिक पागल कहता हूँ। मैं आपसे बाद में चियास्म के बारे में बात करूँगा। यह एक साहित्यिक शैली है जिसमें लेखक दर्शकों से संवाद करता है।

और कभी-कभी वह इससे बहक जाता है। लेकिन सच तो यह है कि इससे आपको यह समझने में मदद मिलती है कि सामग्री को किस तरह से एक साथ रखा गया है। इसलिए, मैं इसकी अनुशंसा करता हूँ।

थिसलटन मेरी मेज़ पर मौजूद टिप्पणियों में से आखिरी है। यह कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इसे एर्डमैन्स ने लिखा है।

यह आपकी पहली टिप्पणी नहीं है। मैं आपको एक छोटी सी कहानी सुनाता हूँ जो शायद आपको दिलचस्प लगे। हो सकता है कि आप इनमें से किसी भी व्यक्ति को न जानते हों या जिनके बारे में मैं बात कर रहा हूँ, उनके बारे में न जानते हों।

लेकिन एक बार मैं अपने स्कूल के विद्वानों के एक समूह के साथ लंच पर गया था, जिसमें जोसेफ फिट्ज़मेयर भी शामिल थे। हम अपने संस्थान में कुमरान स्कॉल पर एक श्रृंखला कर रहे थे। और फिट्ज़मेयर कुमरान सामग्री से संबंधित न्यू टेस्टामेंट के विशेषज्ञ हैं।

और वह उस रात शहर में व्याख्यान देने जा रहा था। और इसलिए, हम उसे दोपहर के भोजन के लिए बाहर ले गए। और थिसलटन की टिप्पणी अभी-अभी प्रकाशित हुई थी।

और मैं इसे देख रहा था और यह एक बहुत बड़ी टिप्पणी है। यह कुछ टिप्पणियों से थोड़ा अलग है, फिट्ज़मेयर से बहुत अलग है। यह सिर्फ़ इस बात पर नहीं कि यहाँ भाषा का क्या मतलब है और इस भाषा का उपयोग कैसे किया जाता है, बल्कि यह बहुत सारे व्याख्यात्मक मुद्दों पर भी चर्चा करता है।

फिट्ज़मेयर से कहा, मैं कुछ ऐसा सोचने की कोशिश कर रहा था जो मैं उससे कह सकूँ ताकि मैं खुद को शर्मिंदा न करूँ। और इसलिए मैंने उससे पूछा कि वह थिसलटन की नई टिप्पणी के बारे में क्या सोचता है जो अभी-अभी प्रकाशित हुई थी। वह खा रहा था, और उसने बस एक तरह से गुर्राहट की।

और उसने दो शब्द कहे और फिर खाना जारी रखा। थिसलटन की टिप्पणी के बारे में उसके दो शब्द ये थे, बहुत अधिक व्याख्यात्मक। मैं फिर से कहना चाहता हूँ, बहुत अधिक व्याख्यात्मक।

ठीक है, अब उन्होंने बस इतना ही कहा। लेकिन मुझे समझ में आ गया कि उन्होंने क्या कहा और शायद आप भी इसे थोड़ा-बहुत समझ सकें। वह जो कह रहे थे, वह यह था कि थिसलटन को पाठ की सभी व्याख्याओं को देखने में अधिक रुचि थी, न कि केवल पाठ में।

हालाँकि, जाहिर है कि अकेले पाठ में बहुत रुचि है क्योंकि यह वह पाठ है जो व्याख्याएँ बनाता है। लेकिन इन लेखकों, फिट्ज़मेयर और थिसलटन, की शैली बहुत अलग है और वे अलग-अलग उम्र के भी हैं। फिट्ज़मेयर, जो अब दिवंगत हो चुके हैं, काफी उम्रदराज हैं।

फिट्ज़मेयर को जासूसों पर बनी टीवी सीरीज़ में जो फ़ाइले की तरह प्रशिक्षित किया गया था। तथ्य, केवल तथ्य। फिट्ज़मेयर यही चाहता है।

वह आपको शब्दों, वाक्यांशों और उन वाक्यांशों को किस तरह से देखा जाता है, इस बारे में सभी तरह की जानकारी देगा। थिसलटन आपको स्पष्ट रूप से दूसरे स्तर पर ले जाएगा। तो, ऐसा नहीं है कि आप एक या दूसरे का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन आपको उन दोनों की आवश्यकता है।

थिसलटन उन वाक्यांशों और शब्दों की विभिन्न बड़ी मैक्रो-व्याख्याओं और उसके पीछे छिपे व्याख्यात्मक सिद्धांतों पर नज़र डालेंगे। तो, बस एक छोटी सी अंदरूनी कहानी। मेरे लिए यह एक मज़ाक है।

आपको यह शायद मज़ेदार न लगे, लेकिन साथ ही, एक शिक्षक के रूप में मेरे सफ़र में यह एक बहुत ही दिलचस्प पल था जब मैंने एक बहुत ही सम्मानित शिक्षक, फ़िट्ज़मेयर को दूसरे टिप्पणीकार के बारे में बात करते हुए सुना। मुझे यकीन है कि वे एक-दूसरे को जानते हैं और विभिन्न स्तरों पर संवाद करते रहे हैं। हो सकता है कि थिसलटन ने उन्हें ऐसा कहते हुए कभी न सुना हो, लेकिन मुझे आश्चर्य होगा।

ज़्यादा संभावना यह है कि वह जानता था कि फ़िट्ज़मेयर उसकी टिप्पणी के बारे में क्या सोचता है। ऐसा नहीं है कि उसे लगा कि यह बुरा है, लेकिन उसे लगा कि यह बहुत ज़्यादा व्याख्यात्मक है। खैर, यह सब अलग, चाहे आपको समझ में आए या नहीं, आपको मेरे चुटकुलों पर हँसना ही होगा।

मेरे पास बहुत सारे नहीं हैं। इसलिए, एक पल रुकें और उस पर हँसें। ग्रंथसूची के बारे में एक और बात, और वह यह है कि हाल के वर्षों में मेरे पसंदीदा लेखकों में से एक ब्रूस विंटर हैं।

विंटर। ब्रूस विंटर। यह आपकी ग्रंथसूची में पृष्ठ 48 के नीचे है।

और आप देखेंगे कि उनके पास यहाँ कई आइटम हैं, और वे सभी पढ़ने लायक हैं। विंटर वार्डन था। वार्डन का मतलब प्रिंसिपल या अध्यक्ष होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप स्कूल के लिए अपने नामकरण के संदर्भ में कहाँ से आ रहे हैं।

लेकिन वह इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में टिंडेल हाउस के वार्डन थे। अब, टिंडेल हाउस लाइब्रेरी और मेंटर और छात्रों का स्थान था जो कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का हिस्सा थे। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय एक इमारत नहीं है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी स्कूलों और टिंडेल हाउस जैसी अन्य संस्थाओं का एक संघ है, और यह समूह कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी बनाता है। टिंडेल हाउस एक अंग्रेजी इंजील है, हम इसे बाइबिल अध्ययन की सेटिंग के रूप में सोच सकते हैं, बहुत गंभीर। उनका प्राथमिक लक्ष्य कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्रों को सलाह देना है जो शास्त्रों का सम्मान करते हैं और अंग्रेजी इंजील दृष्टिकोण से चीजों को अपेक्षाकृत समझते हैं।

विंटर और अन्य लोग इन छात्रों को मार्गदर्शन देने और उन्हें अध्ययन और सीखने के लिए एक स्थान देने के लिए वहाँ थे, और बहुत ही वास्तविक तरीके से, उन्हें यह एहसास कराने के लिए मजबूर किया कि उनके सभी सीखने के बीच, उन्हें मंत्रालय के बारे में सोचने की ज़रूरत है। हम जो सीखते हैं उसका दिन का अंत क्या है? और वह यह है कि यह चर्च के लिए उपयोगी होना चाहिए। और टिंडेल हाउस इस काम को बखूबी करता है।

यह मेरे लिए कैमलॉट है, जैसा कि यह था, शास्त्रों का गंभीरता से अध्ययन करने के लिए एक जगह के रूप में। लेकिन आफ्टर पॉल लेफ्ट कोरिंथ विंटर द्वारा लिखी गई एक पुस्तक है जिसमें उन्होंने 1 कोरिंथियन की पुस्तक में विशिष्ट ग्रंथों पर लिखा है। और वह उन विशेष संदर्भों में जो कुछ चल रहा था, उस पर रोमन पृष्ठभूमि और प्रभाव को सामने लाने के लिए उनके बारे में लिखते हैं।

यह एक ऐसी किताब है जिसे आप बैठकर पढ़ सकते हैं। यह किसी टिप्पणी की तरह नहीं है जो वाक्यांशों का पीछा करती है, बल्कि यह इस बात पर एक संश्लिष्ट नज़र है कि पॉल की दुनिया में, कोरिंथियन की दुनिया में संदर्भ कैसे बैठता है, और इसका क्या मतलब है ताकि हम जो कहने जा रहे हैं उसका एक वैध हस्तांतरण हो सके जो हमारे वर्तमान सेटिंग में इसका मतलब है। इसलिए, मैं ब्रूस विंटर की अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ।

आपको अंततः उनके सभी खंड मिल जाने चाहिए और उन्हें पढ़ना चाहिए। अन्य संपादन, अन्य खंड जो उनके पास हैं, वे कुछ अंशों पर हैं। वे केवल एक पुस्तक पर नहीं हैं।

मुझे खास तौर पर सीक द वेलफेयर ऑफ द सिटी पसंद है। अगर आप पादरी पत्रों में काम करते हैं, तो पादरी पत्रों पर विंटर द्वारा लिखे गए कई उपयोगी लेख हैं। ठीक है, तो ये वो किताबें हैं जो मेरे पास हैं और जिन्हें मैं अक्सर पढ़ता हूँ, जिन्हें मैं समय-समय पर इस्तेमाल करूँगा जब हम अपनी सेटिंग में जाएँगे।

लेकिन जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, मैं इन पुस्तकों के ढेर को बिना हर्निया के उठा भी नहीं सकता, जिनकी मैंने अभी-अभी आपके लिए समीक्षा की है। और ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे मैं इन पुस्तकों में से आपको एक छोटी सी जानकारी भी दे सकूँ। मैंने कल्पना की किसी भी सीमा तक, इन पुस्तकों में मौजूद जानकारी को आत्मसात कर लिया है।

मैंने बहुत कुछ पढ़ा है, और मेरी इच्छा है कि मैं जो कुछ भी पढ़ता हूँ उसे पूरी तरह और सटीक रूप से याद रख सकूँ। लेकिन ये ऐसी चीजें हैं जिन्होंने मेरी सोच को प्रभावित किया है और मुझे उनके लेंस के माध्यम से पाठ को देखने और अपने लेंस के साथ पाठ के अर्थों के बारे में निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित किया है। अब, मैंने आपको 2 कुरिन्थियों पर कुछ ग्रंथसूची भी दी है।

मैं इस बारे में विस्तार से नहीं बताऊंगा, लेकिन वहां ऐसी जानकारी है जिसे आप देख सकते हैं। अब, यह हमें हमारे नोटपैक, नोटपैक नंबर 5 के अंत में ले आता है, जो हमारे औपचारिक परिचय का अंत था। हमने नोटपैक नंबर 5 में उस परिचयात्मक सामग्री में बहुत सी चीजों को देखा है, और मुझे उम्मीद है कि आप इसकी समीक्षा करेंगे।

यदि अलेक्जेंडर द ग्रेट और 1 कुरिन्थियों पर स्लाइड साइट पर उपलब्ध हैं, जैसा कि मुझे उम्मीद है कि जब तक आपको यह सामग्री मिलेगी, तब तक वे उपलब्ध हो जाएंगी, तो आपको बस 5 नंबर पर नोटपैक और वहां मौजूद सभी चीजों के माध्यम से काम करने के लिए बहुत कुछ करना होगा। और मुझे उम्मीद है कि जैसे-जैसे आप ऐसा करेंगे, आप एक चेतना का निर्माण कर रहे होंगे। मैं कई तरीकों से उस शब्द पर वापस आऊंगा।

आप इस बात की चेतना विकसित कर रहे हैं कि कुरिन्थ में रहना कैसा होता, पॉल की बातें सुनना कैसा होता, और साहित्य के उस विशाल भंडार की चेतना जिसे पढ़ने का सौभाग्य हमें मिला है, जो हमें कुरिन्थियों को लिखे पॉल के लेखन के महान विवरणों को समझने में मदद करता है। अब, यह लगभग 40 से 45 मिनट की सीमा में है। इसलिए, 1 कुरिन्थियों के अध्याय 1 में आगे बढ़ने के बजाय यह एक अच्छा पड़ाव है।

मैं इंतज़ार करूँगा और अगली प्रस्तुति में ऐसा करूँगा। तो, यह निष्कर्ष है कि हम एक विशिष्ट परिचय कहेंगे, शायद बहुत विशिष्ट नहीं, लेकिन आप कर सकते हैं, जो पढ़ते हैं, जो बातें मैंने कही हैं, मुझे उम्मीद है कि यह आपको इस संदर्भ, इस संदर्भ को बनाने के लिए प्रेरित करेगा, ताकि जब आप 1 कुरिन्थियों में प्रवेश करें, तो आप वहाँ ठंडे नहीं जा रहे हैं, बल्कि आप गर्म हो गए हैं। मेरे पास कई साल पहले एक शिक्षक था।

उसका नाम हर्बर्ट बेस था। वह ओल्ड टेस्टामेंट का प्रोफेसर था। और वह, आप जानते ही होंगे, अगर आप उसका हाथ काट दें, तो ओल्ड टेस्टामेंट से खून बह जाएगा।

वह एक उच्च प्रशिक्षित प्रोफेसर थे, एक बहुत ही शांत प्रोफेसर। उन्हें ओल्ड टेस्टामेंट से बहुत प्यार था। वह बिना किसी नोट्स के कक्षा में चले जाते थे, और जब वह प्राचीन निकट पूर्व और ओल्ड टेस्टामेंट के पहलुओं और उन सभी को किस तरह से एकीकृत किया गया है, इस बारे में व्याख्यान देते थे, तो आप अपनी नोटबुक के पन्ने भर लेते थे।

और उनके पास बहुत सी रोचक, दिलचस्प बातें थीं। हम अक्सर उनसे पूछते थे, डॉ. बेस, आपने इन चीजों पर कोई किताब क्यों नहीं लिखी जो आप हमें सिखा रहे हैं? और उनका हमसे कहना था कि, अच्छा, मैं चाहता हूँ कि लोग मुझसे पूछें कि मैंने वह किताब क्यों नहीं लिखी, बजाय इसके कि मैंने क्यों परेशान किया। और आपको उस बिंदु पर हँसना चाहिए।

यह एक और मज़ाक है। लेकिन वह बहुत गंभीर थे क्योंकि वह उस क्षेत्र को समझते थे जिसमें उन्होंने पढ़ाया था, और वह इसके बारे में इतनी सारी बातें जानते थे कि हम सभी की तरह वह भी इससे अभिभूत थे। और उन्होंने शायद खुद से सवाल पूछा, अच्छा, मैं क्या योगदान दे सकता हूँ? जाओ उन किताबों को पढ़ो।

और मैंने 1 कुरिन्थियों पर कोई टिप्पणी नहीं लिखी है, और जीवन में मेरी यात्रा और इस समय मैं अपने जीवन में जिस स्थिति में हूँ, उसे देखते हुए, ऐसा नहीं होगा। हालाँकि मैंने पिछले कुछ वर्षों में इस पुस्तक में बहुत कुछ पढ़ा है और इसका अध्ययन किया है और मुझे 1 कुरिन्थियों की पुस्तक बहुत पसंद है, लेकिन मेरे पास बाइबल सीखने के क्षेत्र के कई प्रोफेसरों की तरह कोई पुस्तक नहीं है जिसे मैं आपको भेज सकूँ। इसलिए, मैं आपको अपने दोस्तों को भेजूँगा।

मैं उनमें से कुछ को जानता हूँ, लेकिन मैं उन सभी को उनके लेखन और मेरे जीवन में उनके द्वारा किए गए महान योगदान से जानता हूँ। और मुझे उम्मीद है कि मैं उनमें से कुछ को आप तक पहुँचा पाऊँगा। कम से कम यह तो कहा ही जा सकता है कि कोई भी गलती और गलत बयान मेरा होगा, उनका नहीं।

लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप एक ऐसे छात्र होंगे जो अपने लिए ऐसी किताबें इकट्ठा करेंगे जो आपकी दोस्त बन जाएँगी, ताकि आप उन चीजों को दूसरों के साथ साझा कर सकें। तो अगली बार, नोटपैड नंबर छह को वापस लें, और हम 1 कुरिन्थियों के अध्याय 1, श्लोक 1 से 9 को देखेंगे, जो 1 कुरिन्थियों के पत्र की पत्रात्मक शुरुआत है। आपका दिन शुभ हो।

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह व्याख्यान 8 है, 1 कुरिन्थियों के परिचय और 1 कुरिन्थियों की संरचना का विस्तार